वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 140 | शनिवार 13 सितम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# शहरी सेवा शिविर से सुविधाओं में होगा विस्तार: मुख्यमंत्री

## आमजन की समस्याओं का होगा त्वरित समाधान प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में दिखे अभियान का व्यापक असर, 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा राज्यव्यापी शहरी सेवा शिविर

**जयपुर. का.स।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

### शिविर से संबंधित समग्र मार्गदर्शिका करें तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

# राजस्थान में पर्यटन व्यापार का सुनहरा अध्याय हुआ प्रारंभ

## उद्घाटन सत्र में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति, पर्यटन क्षेत्र के अग्रणी व्यक्तित्वों को किया गया सम्मानित, 13-14 सितम्बर को बी2बी मीटिंग्स और एक्सपो के जरिए पर्यटन व्यवसाय अवसरों को मिलेगा नया आयाम

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और राजस्थान पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2025 की शुक्रवार को भव्य शुरूआत हुई। तीन दिवसीय इस महत्त्वपूर्ण आयोजन का पहला दिन राजस्थान की परंपरा और आधुनिकता के संगम का सजीव उदाहरण बना। सिटी पैलेस, जयपुर में हुए उद्घाटन सत्र में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, राजस्थान पर्यटन विभाग की कमिश्नर सुश्री रुकमणि रियार, एफएचटीआर प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला, एफएचटीआर महासचिव सीए वीरेंद्र एस. शेखावत, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र एस. शाहपुरा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा: राजस्थान की परंपरा, संस्कृति और मेहमाननवाजी हमारी असली ताकत है। आरडीटीएम 2025 इसी पहचान को और सशक्त बनाते हुए राज्य को पर्यटन जगत की अग्रिम पंक्ति में

स्थापित करेगा। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने कहा: यह आयोजन सिर्फ. पर्यटन को बढ़ावा देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह निवेश, रोजगार और स्थानीय समुदायों के विकास का भी सेतु है। आरडीटीएम के जरिए राजस्थान वैश्विक मानचित्र पर और भी मजबूती से उभरेगा। राजस्थान पर्यटन विभाग की कमिश्नर सुश्री रुकमणि रियार ने कहा: आरडीटीएम 2025 सिर्फ. एक आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह राजस्थान की बदलती हुई पर्यटन दृष्टि और संभावनाओं का प्रतिबिंब है। यहाँ प्रस्तुत हो रहे अनुभव और संवाद आने वाले समय में पर्यटन के नए मानक तय करेंगे और राजस्थान को सतत व नवाचार-प्रधान पर्यटन का आदर्श राज्य बनाएंगे। एफएचटीआर प्रेसिडेंट कुलदीप सिंह चंदेला ने कहा: आरडीटीएम 2025 ने साबित किया है कि जब परंपरा और आधुनिकता साथ आते हैं तो पर्यटन जगत को नई दिशा मिलती है। खरीदारों और विक्रेताओं के बीच हो रही सहभागिता राजस्थान के पर्यटन भविष्य की मजबूत नींव रखेगी। इस अवसर पर पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों और संस्थाओं को भी सम्मानित किया गया। इस शृंखला में सीनियर होटलियर अजीत कुमार बंसल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया साथ ही एंड्रिंग इंपेक्ट ऑन टूरिज्म एंड एडमिनिस्ट्रेशन पुरस्कार आईएएस निरंजन कुमार आर्य को प्रदान किया गया।

# शान्तिपुरा आनंदनगर जैन मंदिर में वार्षिक कलशाभिषेक आज, पूर्व संध्या पर हुआ संगीतमय भजन संध्या कार्यक्रम

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

अजमेर । श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन जिनालय, शान्तिपुरा, आनंदनगर, अजमेर में शनिवार, 13 सितम्बर 2025 को सायं 4:15 बजे से श्रीजी का वार्षिक कलशाभिषेक पूजन विधिवत सम्पन्न होगा। इस अवसर पर तपस्वियों का अभिनंदन भी किया जाएगा। प्रवक्ता कमल गंगवाल एवं नरेश गंगवाल ने बताया कि वार्षिक कलशाभिषेक समारोह की पूर्व संध्या पर रात्रि 7:30 बजे मंदिर प्रांगण में संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें श्री दिगम्बर जैन संगीत मंडल, अजमेर के द्वारा 'आया मैं आया तेरे दरबार में', 'तू परम रस पायेगा पारस भज ले', 'तेरी सुन्दर मूरत देख प्रभु', 'तुमसे लागी लगन', 'भगवान मेरी नैया उस पार लगा देना' जैसे मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। गंगवाल ने बताया कि भजनों के साथ ही श्रावकों द्वारा भावपूर्ण भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए गए तथा सामूहिक महाआरती के साथ मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा। संपूर्ण वातावरण भक्तिमय और आत्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। इस अवसर पर सैकड़ों धर्मावलंबी उपस्थित रहे और आयोजन का लाभ लिया।


जाने में अनजाने में, मन के वचन सुनाने में
अगर टूटा हो आपका मन तो
क्षमावाणी के इस पर्व पर दे दीजिये हमें क्षमा का दान

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार

मोहनलाल गंगवाल
अध्यक्ष

विजय कुमार पांड्या
सचिव

सुरेश जैन बांदीकुई
कार्याध्यक्ष

कैलाश चन्द सेठी
कोषाध्यक्ष

संरक्षक
सतीश कुमार बाकलीवाल,
निहालचंद सोगानी,
विजय कुमार दीवान,
प्रो. आई.पी.जैन,
डॉ. सुनील कुमार जैन
सुभाष सेठी
पदम चन्द खजांची

पर्यटन मंत्री
अनिल कुमार गोधा

उपाध्यक्ष
धर्म चन्द जैन
(निवाई वाले),
सुरेंद्र कुमार गोधा

पूर्व अध्यक्ष
महावीर बाकलीवाल

मुख्य परामर्शक
चन्द्र कांता छाबड़ा

सलाहकार
कुन्दन मल जैन सोनी,
नरेंद्र कुमार पाटनी

खादय मंत्री
संतोष कुमार जैन
ज्ञान चन्द जैन
प्रेमचंद गंगवाल

प्रचार मंत्री
प्रेमलता सेठी

मुख्य समन्वयक
शशी सेन जैन

संगठन मंत्री
नरेन्द्र कुमार जैन,
ज्ञानचंद गंगवाल

सह कोषाध्यक्ष
अजीत कुमार जैन

धार्मिक मंत्री
पूरणमल अनोपडा
डॉ. सुशीला जैन टोंग्या
नरेन्द्र कुमार बाकलीवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष
राजेन्द्र बाकलीवाल (बस्सी वाले)
अरुण कुमार जैन

संचालक गण
सुशीला त्यागी
रतन सोगानी
निर्मला टारा
मन्जू पुरी
कुसुम लता बज

सांस्कृतिक मंत्री
कौशल्या जैन
सुलोचना पाटनी
राज कुमारी सोगानी
अलका जैन

एवं समस्त दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार परिवार

# विद्यार्थियों के पठन पाठन हेतु 10 ब्लेक व ग्रीन बोर्ड भेट किए

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर । लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा दो विद्यालय को 10 ब्लेक एवं ग्रीन बोर्ड प्रदान किए गए। क्लब अध्यक्ष मुकेश कर्णावट ने बताया कि अतुल पाटनी के संयोजन में ग्राम अरडका की राजकीय विद्यालय में एवं संजय शशि जैन कावड़िया के संयोजन में बालूपुरा के पहाड़ी क्षेत्र में स्थापित राजकीय विद्यालय में क्लब द्वारा गणवेश की सेवा के दौरान विद्यार्थियों के शैक्षणिक कार्य का अवलोकन किया जहां विद्यार्थियों के पठन पाठन की सामग्री के अंतर्गत ब्लेक बोर्ड की डिमांड क्लब को बताई गई। थी। क्लब द्वारा त्वरित सहायता देते हुए क्लब अध्यक्ष मुकेश कर्णावट समाजसेवी राकेश पालीवाल, अतुल मधु पाटनी, आर पी सुषमा अग्रवाल,संजय शशि जैन, अर्पित कृति जैन, प्रकाश कांठेड़, कमल बाफना, विनय लोढ़ा, सुरेन्द्र जी सुराना के सहयोग से 10 ब्लैक व ग्रीन बोर्ड दोनों विद्यालय के प्रधानाचार्य रतन लाल मीणा,मदन लाल चौहान प्रत्येक को पांच पांच बोर्ड भेंट किए गए। क्लब कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता ने सभी सेवा सहयोगियों के प्रति आभार जताया।

# पत्रकार को समाज में दर्पण की तरह कार्य करना चाहिए : आचार्य वर्धमान सागर महाराज

## जैन पत्रकार महासंघ ने टोंक में लिया आचार्य संघ का आशिर्वाद

टोंक. शाबाश इंडिया

पत्रकार को समाज में दर्पण की तरह कार्य करना चाहिए जिसमें समाज की तस्वीर स्पष्ट परिलक्षित होती है। जैन पत्रकारों का कर्तव्य है कि वह समाज के जागरूक प्रहरी के रूप में सतत कार्यशील रहते हुए समाज हित के मुद्दों पर अपनी कलम का मर्यादित उपयोग करें। उक्त उद्गार दिगम्बर जैन नशियाँ अमीरगंज टोंक में विराजमान वात्सलय वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने जैन पत्रकार महासंघ को आशीर्वाद देते हुए व्यक्त किये। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया व राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के अनुसार जैन पत्रकार महासंघ का प्रतिनिधि मंडल टोंक स्थित दिगंबर जैन नसिया पहुंचा जहां आचार्य वर्धमान सागर महाराज का आशीर्वाद ग्रहण किया तो इस अवसर पर उपस्थित जैन पत्रकारों ने कहा की आचार्य वर्धमान सागर महाराज वर्तमान के वर्धमान है जो समाज को सटीक दिशा दिखाते हुए संयम साधना में लिप्त रहते हैं। पत्रकार जहां जागरूक रहकर समाज को नूतन राह प्रदान करते हैं वही सन्त समाज को दिशा प्रदान कर दशा परिवर्तन का कार्य करते हैं। महेंद्र बैराठी ने कहा कि पत्रकारों की भूमिका वर्तमान युग मे अति महत्वपूर्ण है। डॉ अनिल जैन ने कहा कि कलम जीवन्त है तो समाज जीवन्त रहेगा। बलवंत राज मेहता,राजा बाबू गोधा,सुरेंद्र प्रकाश जैन, वी बी जैन,दिलीप जैन,दीपक गोधा,मनोज जैन, संजय जैन बड़जात्या उपस्थित रहे।

# वेद ज्ञान

## देखन में छोटा लगे घाव करें गंभीर

अदने से नेपाल का महान प्रजातांत्रिक राष्ट्रों को सबक...! आज दुनिया में जितने भी कथित रूप से प्रजातांत्रिक देश है, उनकी स्थिति किसी से भी छुपी नहीं है, कहने को इन देशों में प्रजातंत्र है, किंतु इनमें प्रजा तंत्र पर नहीं, तंत्र प्रजा पर हावी है, किंतु अब एक छोटे से नेपाल देश ने दुनियां के महान प्रजातांत्रिक राष्ट्रों को सही प्रजातंत्र का सबक सिखा दिया है। नेपाल की प्रजा इसके लिए बधाई की पात्र है। हमारे देश की आजादी के कुछ समय बाद ही यहां के नेताओं ने वास्तविक प्रजातंत्र पर कब्जा कर प्रजातंत्र को तंत्रप्रजा में बदल दिया था। अर्थात तंत्र यानी नेताओं की सरकार आगे और उसके पीछे प्रजा, किंतु अब नेपाल की प्रजा ने विश्व के अमेरिका, चीन, रूस जैसे कथित प्रजातांत्रिय देशों को सही प्रजातंत्र का रूप दिखा दिया है, जिसमें प्रजा ने तंत्र को दिखा दिया है कि प्रजा ही सर्वसर्वा है तंत्र नहीं। अब नेपाल के विद्रोह को चाहे जन-आक्रोश कहो या साजिश? किंतु दोनों के ही अर्थों में मूल प्रजातंत्र छिपा है। नेपाल में चल रहा यह विद्रोह भारत के लिए ही नहीं बल्कि विश्व के महान कथित प्रजातांत्रिक देशों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। क्योंकि नेपाल चौथी चिंता है, इसके पहले श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान भारत के लिए चिंता के विषय बन चुके हैं। यह सब क्योंकि हमारे पड़ोसी देश है और हम इनसे घिरे हुए हैं, क्योंकि हमारे देश में भी इन देशों की तरह ही नेतागिरी हावी है, अर्थात तंत्र हावी है प्रजा पर। अब आज यह एक अलग सोच का विषय है कि यह आंदोलन महज एक संयोग है या सोची-समझी साजिश? किंतु पड़ोसी देशों में हो रहे विद्रोह के यह प्रयोग भारत में इसी प्रकार का अराजक आंदोलन करने का पूर्वाभ्यास तो नहीं? यह प्रश्न इसलिए भी है, क्योंकि पूर्व में इस प्रकार का आंदोलन खड़ा करने की असफल कोशिशें भारत में भी की जा चुकी है, इसलिए हमें इस दिशा में सक्रिय, सजक व जागरूक रहना बेहद जरूरी हो गया है। इसके साथ ही नेपाल हमें यह भी सबक सीखा रहा है कि जिसके सहारे या सहयोग से नेतागण सत्ता में आते हैं, वे ही बैसाखियां उन्हें कभी भी धोखा दे सकती है। नेपाल के पूर्व शासक ओली साहब जिस ताकत के दम पर सत्ता में आए थे, उन्हीं ताकतों ने उनकी कुर्सी छीन ली और भारत का विरोध कई दृष्टि से उनके लिए भारी सिद्ध हुआ।

# संपादकीय

## कर प्रणाली का नया युग

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सात वर्षों के अनुभव और 56वीं परिषद की बैठक में लिए गए आठ महत्वपूर्ण फैसलों के साथ भारत ने कर प्रणाली के नए युग की शुरूआत की है। जीएसटी की चार कर दरों को दो प्रमुख स्लैब में समेकित कर, साथ ही विलासिता और हानिकारक वस्तुओं के लिए 40% की नई दर लागू की गई है। यह सुधार उपभोक्ताओं के लिए राहत और कारोबार में सरलता लेकर आएगा, लेकिन राज्यों के हिस्से

के राजस्व वितरण को लेकर कई सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि जीएसटी से प्राप्त राजस्व का बंटवारा न्यायसंगत और संतुलित हो ताकि संघीय ढांचे की मजबूती बरकरार रहे। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू हुए सात साल बाद इसकी परिषद की 56वीं बैठक में बड़े और ऐतिहासिक फैसले लिए गए। कर की चार श्रेणियों को दो श्रेणियों में समाहित कर दिया गया है, जिसे ''जीएसटी 2.0'' कहा जा सकता है। 22 सितंबर से लागू इस नए कर ढांचे में सबसे अधिक कर की दर 40% होगी, जो विलासिता और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तुओं पर लगेगा, जबकि अन्य वस्तुओं के लिए 5% और 18% की दो कर दरें होंगी। यह कदम 'सरल कर' की भावना के अनुरूप और उपभोक्ताओं के लिए स्वागत योग्य सुधार माना जा रहा है। पुरानी चार श्रेणियों में से 12% और 28% की श्रेणियों को समाप्त किया गया है। अब 18% कर वाले स्लैब में 28% के अधिकांश वस्त्र समाहित होंगे, जबकि 5% स्लैब में 12% की वस्तुएं आ जाएंगी। इससे उपभोग को बढ़ावा मिलेगा लेकिन अनुमानित है कि सरकार को करीब 15 हजार करोड़ रुपये का सकल राजस्व नुकसान हो सकता है। हालांकि, उपभोक्ता प्रोत्साहन के कारण बढ़े उपभोग से कर संग्रह में कुछ सुधार होगा जिससे शुद्ध नुकसान कम होगा। इस बदलाव से व्यापारियों को भी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है और बाजार में पहले से जमा माल पुराने टैक्स स्लैब के अनुसार ही कीमतों पर है। ऐसे में नए स्लैब के अनुरूप मूल्य-लेबलिंग और जीएसटी मुनाफाखोरी से जुड़े नियमों पर व्यापारियों को स्पष्टता और सहूलियत मिलना आवश्यक है। जीएसटी लागू होने के बाद भी दो अहम विषय चिंता का विषय बने हुए हैं। पहला यह कि यह अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था गरीबों की तुलना में अमीरों को कम प्रभावित कर रही है, क्योंकि इसका प्रभाव गरीबों पर अधिक पड़ता है। छोटे कारोबारियों के लिए नियम-कानून का बोझ अधिक है, जो अभी भी बरकरार है। दूसरा मुद्दा राज्यों की वित्तीय स्थिति का है। 15 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित राजस्व नुकसान का आधा भार राज्यों को ही सहना होगा। जीएसटी में राज्यों की क्षतिपूर्ति समाप्त हो गई है और उन्हें इस नुकसान की भरपाई के लिए अब अन्य माध्यम ढूँढ़ने होंगे। भारत के संघीय ढांचे में व्यय और राजस्व (एक-तिहाई) के बीच अनमिलाप चिंता का विषय है। यही कारण है कि पेट्रोल, डीजल और बिजली जैसे प्रमुख उत्पादों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया। **-राकेशन जैन गोदिका**

# परिदृश्य

## हरियाणा की ड्रीम पॉलिसी

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

हरियाणा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुचारु बनाने के उद्देश्य से कुछ वर्ष पूर्व शिक्षक तबादलों के लिए ऑनलाइन प्रणाली लागू की थी, जिसे बड़े गर्व से ''ड्रीम पॉलिसी'' का नाम दिया गया। इस नीति को लागू करने का तात्पर्य यह था कि अब शिक्षकों के तबादले केवल वरिष्ठता, मेरिट और प्राथमिकताओं के आधार पर होंगे, न कि सिफारिश या दबाव से। आरंभ में इसे एक क्रांतिकारी कदम माना गया। किंतु बीते वर्षों में इस नीति की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं। सरकार ने घोषणा की थी कि इस वर्ष तबादले अप्रैल में होंगे, किंतु सितंबर तक भी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई। यह देरी न केवल शिक्षकों के साथ वादाखिलाफी है, बल्कि छात्रों की पढ़ाई और विद्यालयों के संचालन पर भी सीधा आघात है। शिक्षा केवल विद्यालय भवन या पाठ्यपुस्तकों पर निर्भर नहीं करती; उसकी वास्तविक धुरी शिक्षक ही हैं। हरियाणा जैसे राज्य में, जहां ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में स्पष्ट असमानता है, वहां शिक्षकों की उचित तैनाती अत्यंत आवश्यक हो जाती है। ग्रामीण अंचलों के विद्यालय अक्सर योग्य और अनुभवी शिक्षकों से वंचित रहते हैं, जबकि शहरी विद्यालयों में अपेक्षाकृत अधिक संख्या में शिक्षक तैनात मिलते हैं। ऐसी परिस्थिति में तबादला नीति मात्र प्रशासनिक प्रक्रिया न होकर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का एक सशक्त साधन बन जाती है। सरकार ने दावा किया था कि ड्रीम पॉलिसी से भ्रष्टाचार और पक्षपात का अंत होगा। परंतु, वास्तविकता यह है कि नीति का क्रियान्वयन अनेक समस्याओं से ग्रस्त रहा है। शिक्षकों को बार-बार एमआईएस अपडेट कराने के निर्देश दिए गए, जिनमें व्यक्तिगत विवरणों से लेकर मोबाइल नंबर तक शामिल रहे। दोहराई जाने वाली इन औपचारिकताओं ने असंतोष को जन्म दिया और तकनीकी त्रुटियों व डेटा की गलतियों ने पारदर्शिता के दावे पर प्रश्न खड़े किए। इसके साथ ही सबसे गंभीर शिकायत यह रही कि समय पर ट्रांसफर शेड्यूल जारी नहीं किया गया। इस देरी के कारण न केवल शिक्षकों के निजी जीवन पर प्रभाव पड़ा, बल्कि विद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियां भी बाधित हुईं। भले ही प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन बताया गया, परंतु शिक्षकों का आरोप है कि आज भी रसूख और सिफारिशों का असर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। हाल ही में कैथल में हुई बैठक में शिक्षक संगठनों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही ट्रांसफर शेड्यूल जारी नहीं किया गया तो सरकार की ड्रीम पॉलिसी स्वयं सरकार के लिए ही बदनामी का कारण बन जाएगी। उनका कहना है कि सरकार ने उन्हें अनावश्यक औपचारिकताओं में उलझा रखा है। मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री कई बार आश्वासन दे चुके हैं, किंतु अब तक वादे पूरे नहीं हुए। शिक्षा विभाग इस प्रक्रिया को जानबूझकर लंबित रखता है। यह असंतोष केवल तबादलों तक सीमित न रहकर सरकार की नीयत और वादाखिलाफी पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है। यदि कोई यह मान ले कि यह विवाद केवल शिक्षकों के हितों तक सीमित है, तो यह गंभीर भूल होगी। अनेक विद्यालय रिक्तियों से जूझते हैं और छात्रों की पढ़ाई प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती है। बार-बार के विलंब और वादाखिलाफी से शिक्षकों का मनोबल टूटता है।

# सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह रविवार, 14 सितंबर को रामलीला मैदान में

**151 त्यागी व्रतियों का अभिनंदन करेगी राजस्थान जैन सभा। बड़ी चौपड़ से रामलीला मैदान तक निकलेगी विशाल शोभायात्रा**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन समाज का प्रादेशिक प्रतिनिधि पंजीकृत संगठन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में रविवार, 14 सितंबर को प्रातः 8.30 बजे से रामलीला मैदान में जयपुर स्थित जैन संतों, आर्यिका माताजी के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमावाणी समारोह मनाया जाएगा। इस मौके पर दस दिन या उससे अधिक दिनों के उपवास करने वाले 151 त्यागी व्रतियों का अभिनंदन किया जाएगा। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि इससे पूर्व प्रातः 7.00 बजे बडी चौपड़ से दस दिन या इससे अधिक दिनों के उपवास करने वाले 151 त्यागी व्रतियों की बैण्ड बाजों के साथ बग्घियों में बैठाकर जौहरी बाजार, बापू बाजार होते हुए रामलीला मैदान तक विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। रामलीला मैदान में दिगम्बर जैन संतों एवं आर्यिका माताजी के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य समन्वयक प्रदीप जैन एवं मुख्य संयोजक यशकमल अजमेरा के मुताबिक समाज श्रेष्ठी शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले त्यागी व्रती सम्मान पुण्यार्जक होगें।युवा समाजसेवी अनिल शोभा पाटनी काशीपुरा वाले दीप प्रज्जवलन कर्ता होगें। मुख्य अतिथि समाज श्रेष्ठी वीर चन्द गजेन्द्र बडजात्या कामां वाले होगें। समारोह की अध्यक्षता समाज श्रेष्ठी विवेक - आशा काला करेगें। गौरवमयी अतिथि अनिल - उमा दीवान तथा विशिष्ट अतिथि सुरेश - ललिता सबलावत, राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद होंगे। राजस्थान जैन सभा जयपुर को प्राप्त सूचना अनुसार सभा की ओर से 32 दिन के उपवास करने वाले चार त्यागी व्रती अन्जू बोहरा चित्रकूट कालोनी, इंदिरा अजमेरा, निर्माण नगर, कमला देवी, मुरलीपुरा पीयूष जैन, पीयूष जैन मंगल विहार, 16 दिन के उपवास करने वाले 16 त्यागी व्रती तथा 10 दिन के उपवास करने वाले 131 त्यागी व्रतियों का अभिनंदन किया जाएगा। सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक समारोह के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। समारोह में जयपुर में प्रवासरत दिगम्बर जैन संतों एवं आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन होंगे। **विनोद जैन कोटखावदा: उपाध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा जयपुर**

# मुनी श्री सिद्धसागर जी महाराज का 24वां अवतरण दिवस नांद्रे में भक्ति पूर्वक मनाया

अभिषेक पाटील. शाबाश इंडिया

**नांद्रे (महाराष्ट्र)।** पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के शिष्य मुनि श्री सारस्वत सागर जी महाराज, मुनि श्री जयंत सागर जी महाराज, मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज और क्षुल्लक श्रुतसागर महाराज जी 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर, नांद्रे में विराजमान हैं। विशुद्ध गुरू के शिष्य शांतमूर्ती मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज जी ने नांद्रे में अपने अवतरण दिवस पर प्रवचन में कहा कि - आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी का जन्म मध्य प्रदेश के भिंड जिला के रूर ग्राम में हुआ । यह वही भिंड जिला है जिसे कभी डाकुओ के शहर के नाम से जाना जाता था । परंतु जब से आचार्य भगवन विशुद्ध सागर महाराज जी का जन्म हुआ उनकी पुण्य वर्गणाओ के प्रभाव से अब यह शहर साधूओ की नगरी के नाम से संपुर्ण भारत में प्रसिद्ध है। इस नगर से अनेको मुनी, आर्यिका और व्रति बन चुके है। मुनि श्री सिद्ध सागर जी महाराज कहते है की मेरा सौभाग्य रहा जिस ग्राम रूर में जिस परिवार में आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर महाराज जी का जन्म हुआ उसी घर में मेरा भी जन्म हुआ । वर्तमान काल में नमोस्तु शासन को जयवंत करते हुए आचार्य श्री ने हजारो युवाओं को धर्म मार्ग पर लागाया । आचार्य भगवन विशुद्ध सागर महाराज जी द्वारा सैकडो को व्रती बनाया और 70 युवाओ को जैनेश्वरी दिक्षा प्रदान कर जिनशासन को वर्धमान किया । जिस प्रकार घर कि शोभा माँ से होती है, उसी प्रकार इस जिनशासन कि शोभा गुरुवर आपसे है। नांद्रे में भगवान महावीर जिन मंदिर में 1008 दिपको से महाआरती हुई । 24 पालखी में भगवान की प्रतिमा रखकर भव्य जुलूस निकाला गया।

# डा.अखिल बंसल YSS India टीम के चीफ मीडिया एडवाइजर बने

**नई दिल्ली।** जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ अखिल बंसल को Yss इंडिया की ओर से चीफ मीडिया एडवाइजर नियुक्त किया गया है । Yss इंडिया के अध्यक्ष कमल चौधरी की विज्ञप्ति के अनुसार राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार एवं Yss इंडिया की गतिविधियों को प्रभावशाली व सफल बनाने के उद्देश्य से डा.अखिल बंसल को यह दायित्व सोपा गया है। इसके साथ ही आपको संस्था का स्थाई वरिष्ठ सदस्य भी नियुक्त किया गया है। आपको राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2025 से जुड़ी मीडिया गतिविधियों, प्रेस रिलीज, समाचार कवरेज और मीडिया पार्टनरशिप के लिए रणनीति बनाने के दायित्व के साथ संस्था के कार्यक्रमों में मीडिया प्रबंधन व प्रेस समन्वय का दायित्व सोंपा गया है। स्मरण रहे कि Yss फाउंडेशन भारत के सेवा निवृत सेना अधिकारियों द्वारा संचालित राष्ट्रीय संगठन है जो राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, समाज सेवा, कला, खेल, चिकित्सा, महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता तथा पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वालों को राष्ट्र गौरव पुरस्कार से प्रतिवर्ष सम्मानित करती है। इस वर्ष यह राष्ट्रीय पुरस्कार जनवरी में जयपुर में समारोह पूर्वक प्रदान किए जाएंगे।

14 सितम्बर 2025

स्व. श्री रतनलाल जी बिनायक्या

जन्मतिथि : 09 जनवरी 1929
स्वर्गवास : 14 सितम्बर 2008

# श्रद्धांजलि

## धर्मनिष्ठ समाजसेवी श्री रतनलाल जी बिनायक्या

( धोबलाई वाले, डीमापुर निवासी )

श्रद्धावनत

स्व. सोहनी देवी बिनायक्या (धर्मपत्नी )

प्रेषक :

विजय कुमार – निलम देवी (पुत्र–पुत्रवधु)
बिनायक्या परिवार
जयपुर–डिमापुर

| | | |
|---|---|---|
| विजय कुमार जैन<br>वी. एन. एन. इनवेस्टमेंट<br>120 जौहरी बाजार, जयपुर<br>मो. 9436004242<br>मो. 9799440777 | कालकुट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि.<br>वेयर हाउसेज<br>फाईनेंस एण्ड शेयर इनवेस्टमेंट<br>जी–122 उदय पथ, श्याम नगर,<br>जयपुर मो. 9436004242 | एम/एस चीनी<br>कुर्तीज वुमेन्स गारमेन्ट्स<br>डी–131, जनपथ श्याम नगर,<br>जयपुर<br>मो. 9008542435 |

# मन में पवित्रता व आचरण शुद्ध रखें: मुनि आदित्य सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर महाराज ससंघ के सान्निध में मंगल विहार के दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज ने कहा कि मन को सही दिशा देने से मन में पवित्रता आती है । पवित्र स्थान पर रहोगे तो आत्मा स्वयं पवित्र होगी। मुनि श्री ने कहा कि जहां मन की पवित्रता हो जाए फिर हमें वहां शांत रहना चाहिए । अगर हमारा मन पवित्र नहीं है तो तीर्थ स्थान आदि पर जाकर दर्शन करना सब व्यर्थ है। तीर्थ स्थान के दर्शन करने के बाद हमारे मन में पवित्रता आनी चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि अगर हमारा मन पवित्र हो जाएगा तो हम स्वयं तीर्थ बन जाएंगे आत्मा की नदी में संयम का जल बनाकर उसमें स्नान करने वालों का मन हमेशा पवित्र रहता है पवित्र मन से प्रभु का स्मरण करना ही हमारे लिए श्रेयस्कर है जो व्यक्ति मां का साफ होता है वह हमेशा संपन्न होता है। मां की पवित्रता अच्छे संस्कारों से बचाती है अच्छी संगति ही हमारे मन की पवित्रता कर सकते हैं। मुनि श्री ने कहा कि हमें अपने आचरण की पवित्रता बनाकर रखनी चाहिए भारतीय सभ्यता को ध्यान में रखते हुए कार्य करना चाहिए । अच्छी संगति से ही हमारे आचरण की पवित्रता बनी रह सकती है। बच्चों को हम पढ़ाया लेकिन आचरण की पवित्रता का पाठ भी पढ़ाए। बच्चों को दुर्जनों की संगति से दूर रखें अच्छी संगति रखेंगे तो आचरण व मन दोनों पवित्र होंगे। अध्यक्ष अमित गोधा एवं महामंत्री महेन्द्र पाटनी ने बताया कि सायंकाल 6.15 बजे श्रुत शंका समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आरती के बाद समापन हुआ। **-विनोद जैन कोटखावदा**

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

### इंसानियत और भाईचारे की मिसाल

# 13 वर्षीय इनाया खान ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

## सोच बड़ी हो तो सब मुमकिन : शकील खान

इनाया की यह पहल साबित करती है कि उम्र भले ही छोटी हो, पर सोच बड़ी हो तो इंसानियत की मिसाल कायम की जा सकती है। उनकी इस अपील ने पूरे समाज को नई दिशा और ऊर्जा दी है।

पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने जहाँ लाखों जिंदगियों को प्रभावित किया है, वहीं 13 वर्षीय समाजसेविका इनाया खान ने अपनी एक भावुक अपील से देशभर के लोगों को इंसानियत और भाईचारे का संदेश दिया है। उनकी यह पहल साबित करती है कि मदद के लिए बड़ी उम्र नहीं, बल्कि बड़ा दिल चाहिए। इनाया की अपील के बाद राजस्थान समेत पूरे देश से लोग और संगठन पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इनाया खान ने अपने संदेश में कहा, ''आज पंजाब हमें पुकार रहा है। जिन किसानों ने देश का पेट भरा, आज उनके ही घर और खेत उजड़ गए हैं। लेकिन हमें याद रखना चाहिए, अंधेरा चाहे जितना गहरा हो, एक छोटी सी रोशनी भी उसे मिटा सकती है।'' उन्होंने युवाओं से खास तौर पर अपील करते हुए कहा कि वे आगे आकर पंजाब के लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लाएं। उनकी इस नेक पहल के तहत इनाया ग्लोबल फाउंडेशन ने भी पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए हरसंभव मदद का ऐलान किया है। संस्था का लक्ष्य केवल तात्कालिक राहत पहुँचाना नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों को लंबे समय तक सहयोग और पुनर्वास में भी सहायता प्रदान करना है।

# जीते जी मां बाप पर श्रद्धा रखो तो श्राद्ध की जरूरत ही ना पड़े : आचार्य सुंदर सागर

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** सांगानेर थाना क्षेत्र के चित्रकूट कॉलोनी में प्रवासरत आचार्य सुंदर सागर महाराज ने शुक्रवार को धर्म सभा में अपने प्रवचन में कहा कि जीते जी हमे माँ बाप व बुजुर्गों पर श्रद्धा रखनी चाहिए ताकि मरने के बाद श्राद्ध की जरूरत ही ना पड़े। लोग जीते जी उनकी सेवा नहीं करते परंतु मरने के बाद उनके श्राद्ध पर कभी पैसा खर्च करते है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने जब जन्म लिया तब वह कुछ नहीं जानते थे लेकिन जब केवल ज्ञान प्रकट हुआ तो उन्हें तीनों लोक की पर्याय एक साथ झलकने लगी । धन सबके पास है धन कमाने के लिए पुण्य चाहिए और दान देने के लिए दिल चाहिए । दान देने के भाव साधु संगति से ही बनते हैं । चमत्कार वितरागी भगवान नहीं करते अपितु देवों द्वारा होते हैं क्योंकि चमत्कार रागी द्वेष द्वारा होते हैं । धन देव शास्त्र गुरु में लग जाए इससे बड़ा धन का कोई सदुपयोग नहीं है । भगवान अतिशय करते नहीं है अतिशय अपने आप हो जाता है । साधु आत्मा के प्रभावना के लिए साधना करते हैं इससे अतिशय अपने आप हो जाता है अपनी श्रद्धा में इतनी मजबूती लाओ की श्रद्धा निर्वाण का कारण बन जाए मरे हुए को याद करने के लिए श्राद्ध पक्ष नहीं आता है मरने वाले को पिंडदान देना श्राद्ध पक्ष नहीं है श्राद्ध पक्ष का मतलब जिनके ऊपर श्रद्धा की जाती है देव शास्त्र गुरु पर श्रद्धा करें दिगंबर साधु से बड़ा कोई साधु नहीं जिन माता-पिता ने जो संस्कार दिया उन पर चलना उसी तरह भगवान ने जो मार्ग बताया इस पर श्रद्धापूर्वक चलना श्राद्ध पक्ष है । आसाढ का महीना निमित्त दे गया श्रवण का महीना भक्ति देगा भाद्रपद का महीना मन को चंगा कर गया श्राद्ध का महीना श्रद्धा कर गया और कार्तिक का महीना निर्वाण कर गया अष्टानिका में उन्हें भी सिद्धों की तरह पूजा जाएगा। आचार्य श्री से पूर्व आर्यिका सुलक्ष्यमती माताजी ने प्रवचन करते हुए आत्मा की विशुद्धि पर जोर दिया और कहा की आत्म कल्याण के लिए आत्म साधना जरूरी हैं। इसीलिए हमें राग द्वेष को छोड़कर आत्म साधना में तल्लीन रहना चाहिए। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक शनिवार को आचार्य विमल सागर महाराज का जन्म जयंती समारोह श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा। इस मौके पर प्रातः धर्म सभा में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेट, पाद पक्षालन सहित कई आयोजन होगें। **-विनोद जैन कोटखावदा**

# राजस्थान संगीत संस्थान में नये विद्यार्थियों का हुआ 'अभिनन्दन'

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** राजस्थान संगीतपास संस्थान में नव प्रवेशित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 'अभिनन्दन 2025' आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद सीनियर प्रोफेसर वसुधा सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया। संस्थान की असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ वन्दना खुराना ने विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम बी पी ए के सभी सेमेस्टर्स ; क्रेडिट सिस्टम आदि की विस्तृत जानकारी पी पी टी के माध्यम से दी। इस अवसर पर गेस्ट स्पीकर के रूप में प्रसिद्ध वक्ता प्रोफेसर रमेश अरोड़ा का व्याख्यान रखा गया जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को संगीत में नियमित रियाज , अनुशासन ,सकारात्मक सोच बनाये रखने पर जोर दिया। इसके बाद संस्थान के सभी संकाय सदस्यों का परिचय करवाया गया। इस अवसर पर सभी विभागों के विद्यार्थियों द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियां दी गयी। कार्यक्रम का संचालन गायन की छात्रा काजल व तेजस्विनी ने किया।

जैन समाज अशोक नगर, सी-स्कीम, जयपुर

द्वारा आयोजित

सामूहिक क्षमावाणी पर्व एवं स्नेह मिलन (सहभोज)

रविवार दिनांक 14 सितम्बर 2025 | प्रातः 11.00 बजे से

स्थान : श्री महावीर स्कूल ( डोम परिसर ), सी-स्कीम

विशेष आग्रह

समाजश्रेष्ठी श्री संदीप ( पवन )-नमिता छाबड़ा, समाजश्रेष्ठी श्री संजय-काजल छाबड़ा ( मोती सन्स ग्रुप )

समाजश्रेष्ठी श्री राजकुमार-अनिता टोंग्या

समाजश्रेष्ठी श्रीमती रानी ठोलिया, श्री प्रशांत-पायल ठोलिया

समाजश्रेष्ठी श्रीमती कल्पना बगड़ा, श्री मनोज-कल्पना बगड़ा, श्री शरद-कोमल बगड़ा

# आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज की जन्म जयंती मनाई

इंदौर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज की जन्म जयंती व गणिनि प्रमुख श्री विमलप्रभा माताजी का गणिनिपद दिवस मनाया भव्य रूप मे मनाया गया। अंजनी नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर के अध्यक्ष देवेंद्र सोगानी ने बताया कि वात्सल्य रत्नाकर परम पूज्य श्री विमलसागर जी महाराज का जन्म जयंती महोत्सव एवं अंजनी नगर मे चातुर्मासरत गणिनि पूज्य श्री विमलप्रभा माताजी का 19 वां गणिनिपद दिवस बड़े उत्साह पूर्वक मनाया गया । आज के दिन मंदिर एवं मंदिर प्रांगण मे विशेष साज सज्जा की गई ' इस शुभ अवसर पर अंजनी नगर मे वर्षायोग मे अपनी साधना मे लीन पूज्य गणिनि संगममती माताजी का सानिध्य प्राप्त हुआ । आयोजन का प्रारम्भ उपस्थित समाजजन के बीच आहारचार्य में जो चौके में सहयोग देने वाली महिलाओं ने मंगलाचरण किया उसके पश्चात चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन बाहर से आए अतिथि एवं मंदिर कमेटी ने किया , पाद प्रक्षालन का सौभाग्य मुकेश रेखा पाटनी को प्राप्त हुआ। माताजी का 19 वां गणिनि पद महोत्सव है इस अवसर पर 19 परिवारों द्वारा शास्त्र भेंट किये गए। इसके बाद पूज्य आचार्य श्री व पूज्य

गणिनि माताजी के संगीतमय पूजन की गई जिसमे समाज के सभी सदस्यों ने सुंदर वेशभूषा के साथ नृत्य करते हुए बड़े ही उत्साह के साथ पूजन सम्पन्न की। इस शुभ अवसर पर समाजजन के साथ इंदौर के सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के अध्यक्ष मनोहर झांझरी, दिगंबर दिगंबर जैन मंदिर गोयल नगर के अध्यक्ष दिलीप पाटनी, फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष कमलेश कासलीवाल, कई संस्थाओं के अध्यक्ष हंसमुख गांधी, बीस पंथी मंदिर के अध्यक्ष राजेश पांड्या अपने साथियों सहित अवासा सिटी (ए. बी. रोड़) जैन मंदिर से प्रदीप जैन व पुलक जैन मंच से प्रदीप बड़जात्या, महेंद्र निगोतिया उपस्थित हुए । इसके साथ अन्य अतिथियों ने माता जी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद समाज के वरिष्ठजनों मे से राजकुमार पाटोदी, हंसमुख जी गाँधी,दिलीप पाटनी, मनोहर झांझरी, सपना प्रियदर्शी अशोक टोंग्या,ऋषभ पाटनी आदि ने पूज्य आचार्य श्री के बारे मे गुणानुवाद करते हुए कई संस्मरण सुनाए उसके पश्चात मंदिर प्रांगण मे पूज्य गणिनि संगममती माताजी,पूज्य आर्यिका विजयप्रभा माताजी एवं अंत मे गणिनि प्रमुख विमलप्रभा माताजी के मंगल प्रवचन हुए। जिसमे उन्होंने अपने दादा गुरु श्री विमल सागर जी महाराज के चमत्कार की कई बाते बताई जो समाजजन को पहली बार मालूम हुई, उन्होंने बताया की पूज्य श्री ने लाखो दिन दुखियो व समाज के हर वर्ग को अपने रिद्धि सिद्धि से उपकार किया। कमेटी के संजय मोदी, अशोक टोंग्या ने बताया कि गुणों की खान श्री विमलप्रभा माताजी के मंगल चातुर्मास मे पंचायती मंदिर मे भक्तो का मेला लगा रहता है और हर घर मे धर्म प्रभावना भक्तिभाव से हो रही है । कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के चंद्र कुमार गोधा, दिलीप लुहाड़िया , अक्षय काला अंकित गंगवाल, अंशुल जैन, राजेश गोधा, महेन्द्र अजमेरा, आदि का सहयोग रहा। आज माताजी ने पांडाल मे उपस्थित प्रत्येक भक्त को विशेष रूप से मंगल आशीर्वाद दिया । संचालन ऋषभ पाटनी ने किया एवं आभार व्यक्त नितिन पाटोदी ने माना

# कीर्तिनगर महिला मंडल ने मनाया सामूहिक क्षमावाणी पर्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर महिला मंडल द्वारा 10 सितम्बर को मंदिर स्थित जैन भवन में सामूहिक क्षमावाणी पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कांता सोगानी, महामंत्री श्रीमती रीता छाबड़ा एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती सरोज जैन ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बिछावना साड़ीज की श्रीमती बबीता जैन रहीं। सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती अक्षया सेठी एवं प्रचार मंत्री श्रीमती शिप्रा बैद ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में हाउजी, सरप्राइज गेम्स एवं लकी ड्रॉ का विशेष आनंद लिया गया। इसके अतिरिक्त महिला मंडल की सदस्याओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति एवं डांडिया रास का भी सुंदर आयोजन किया गया। इस भव्य आयोजन में लगभग 200 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

# जीवन में शुक्र मजबूत होने पर आर्थिक, मानसिक व पारिवारिक शांति : कुमुदलताजी म.सा.

## धर्म से जुड़े बिना आत्मीय सुख और आनंद प्राप्त नहीं हो सकता: पदमकीर्तिजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । हमारे जीवन में शुक्र शांति का प्रतीक है ओर इसका रंग श्वेत होता है जो हमारे अरिहन्त भगवान का भी रंग है। श्वेत रंग शरीर में पॉजिटिव एनर्जी का संचार करने के साथ हमारे जीवन में सुख शांति का भी प्रतीक होता है ओर आत्मा को पावन बनाता है। ये विचार अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. ने आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में दिवाकर कमला दरबार में शुक्रवार को धर्मसभा में व्यक्त किए। उन्होंने शुक्रवार के महत्व ओर इससे जुड़ी राशि वृषभ व तुला पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा करते हुए कहा कि शुक्र ग्रह वाणी का भी प्रतीक है। ये संदेश देता है इस ग्रह वाले की वाणी कैसी हो सकती है। ज्योतिष शास्त्र में नवग्रह में शुक्र की दशा सबसे लंबी बताई गई है। उन्होंने कहा कि शुक्र के प्रभाव के कारण तुला राशि वाले व्यक्ति का जीवन संतुलित होता है ओर वह सबके साथ समान रूप से व्यवहार करते है। इनका प्रेम वासना वाला नहीं बल्कि उपासना वाला होता है। वृषभ राशि वाले व्यक्ति सामान्यतया जिद्दी प्रकृति के होते है ओर जो ठान लेते है वह करके रहते है चाहे उसका परिणाम कुछ भी हो। जीवन में शुक्र ग्रह मजबूत होने पर आर्थिक, मानसिक व पारिवारिक शांति मिलती है। साध्वी कुमुदलताजी ने बच्चें का नाम जन्म राशि के आधार पर रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि फैशन का अनुकरण करते हुए नाम नहीं रखने चाहिए।

# शिल्पी फाउंडेशन की पहल पर हुआ विशेष टॉक शो-त्योहार: परम्परा भी, ट्रेंड भी

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर और बदलते सामाजिक परिदृश्य पर चर्चा के उद्देश्य से शिल्पी फाउंडेशन द्वारा राजा पार्क स्थित पिंक कैफे में त्योहार : परम्परा भी, ट्रेंड भी (सीजन-1) शीर्षक से एक विशेष टॉक शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज, संस्कृति और मीडिया से जुड़े कई प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया। मुख्य वक्ताओं में पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, आकाशवाणी की डायरेक्टर रेशमा खान, वरिष्ठ पत्रकार मनीमाला शर्मा, मीडिया सेलिब्रिटी वर्तिका जैन शिक्षाविद् स्नेहलता भारद्वाज, समाजसेवी रिजवान एजाजी, प्रो. डॉ. शालिनी माथुर , समाजसेवी हीरालाल सैनी और लेखिका आसमा नाज , अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीना जैन चौधरी शामिल रहीं। शिल्पी फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक शिल्पी अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य त्योहारों की परंपरा और आधुनिक ट्रेंड के बीच संतुलन पर विमर्श करना था ताकि नई पीढ़ी को सांस्कृतिक जुड़ाव का मार्ग मिले।

## इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए

मणिमाला शर्मा ने विचार रखे कि, कोई भी रीति और रिवाज जब तक हम स्वयं अपने जीवन में नहीं अपनाएंगे, तब तक नई पीढ़ी भी उसे नहीं सीख पाएगी। ज्योति खंडेलवाल ने कहा, हमारे परिवार ढाई सौ साल से जयपुर में रह रहे हैं और इस पूरे समय से परंपरा व त्योहारों को रीति-रिवाजों के साथ निभा रहे हैं। रेशमा खान ने कहा, त्योहारों की खूबसूरती धर्म से नहीं बल्कि उसे सेलिब्रेट करने के तरीके से है। डॉ. रतन शर्मा का कहना था, नई पीढ़ी अपने तरीके और ट्रेंड से त्योहार मनाना चाहती है और यही तरीका परंपरा से उन्हें जोड़ता है। मीडिया सेलिब्रिटी वर्तिका जैन कहां की बेड़े बुजुर्गो की भावना के साथ हम आने वाली पीढी को भी साथ रखे ये ही परंपरा रीति रिवाज है और ट्रेंड भी टॉक शो में श्रोताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और परंपरा व आधुनिकता के संतुलन पर विचार-विमर्श को सराहा। मंच संचालन मीना जैन चौधरी ने किया।

## श्री दिगंबर जैन मंदिर पीलोदा में भगवान महावीर स्वामी जी के हुए पंचामृत अभिषेक

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

**श्री महावीर जी।** श्री महावीर जी कस्बे के समीप ग्राम पीलोदा स्थित दिगम्बर जैन महावीर स्वामी मंदिर में शुक्रवार को 10 लक्षण महापर्व के समापन के अवसर पर हर साल की भाँति श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी कमेटी द्वारा भगवान महावीर स्वामी का पंचामृत अभिषेक एवं विधान का कार्यक्रम आयोजित किया गया यह कार्यक्रम पंडित मुकेश जैन शास्त्री के मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न कराया। इस अवसर पर संगीतकार पलक जैन द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। पंचामृत अभिषेक एवं पूजन-विधान के बाद भगवान महावीर स्वामी की सामूहिक आरती की गई। इस अवसर पर फूल माला की बोली लगाई गई जो राधे जैन निवासी श्री महावीर जी के नाम रही, जिनका भानू छाबड़ा, योगेश टोडरका जयपुर, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी के व्यवस्थापक नेमीकुमार पाटनी, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल विष्णु सिकरवार, विशेषाधिकारी विकास पाटनी ने माला व तिलक लगाकर सम्मान किया तथा भगवान महावीर स्वामी का छायाचित्र भेंट किया।

# भारतीय भूमि पर जन्म हुआ है तो इस विशेष पुण्य को महसूस कर इसे सफल बनाएं : मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

## ऐतिहासिक अगवानी ग्रान्थावलि पुस्तिक का हुआ लोकार्पण अशोक नगर का नाम हुआ दर्ज। राष्ट्रीय महिला महा समिति अधिवेशन का ध्वज रोहण के साथ होगा शुभारंभ : विजय धुर्रा

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया**

मेरा जन्म भारत में क्यों हुआ दुनिया में बहुत सारे देश मनुष्यो से भरे हैं लेकिन तुम्हारा ही जन्म भारतीय वसुंधरा पर हुआ है इस ओर आप की दृष्टि चली गई तो आप इस गौरव को महसूस कर सकते यदि तुम्हें इस का ऐहसास नहीं हुआ तो ये भूमि नहीं फलेगी जैसे आप इस विशाल पांडाल में सफेद चादर विछा देते हैं इसका आशय कोई विशेष भी आई पी मेहमान आ रहा है फिर उनके पास आने के लिए पीछे से लोग खिसक खिसक कर आते है चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही बैठने को मिल जाए उन विशिष्ट अतिथि से भेंट हो जायें ऐसे ही इस तीन लोक में भारतीय वसुंधरा को भी आई पी के जन्म के लिए आरक्षित किया गया है तीर्थंकर भगवान महापुरूषों सलाका पुरुषो के जन्म हुए ऐसी भूमि भारतीय बसुधा पर जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तो आप भी विशेष पुण्य को लेकर आयें है इसको महसूस करो उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परमपूज्य राष्ट्रसंत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधा सागर जी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में अखिल भारतीय महिला महा के राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ होगा अधिवेशन के प्रारंभ में कलश स्थापना आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण दीप प्रज्जवलन के साथ संगीत नृत्य नाटिका के साथ मंगलाचरण के साथ समारोह का शुभारंभ होगा इस हेतु आज अधिवेशन पुण्यर्जक परिवार राजेश कक्का निखिल जैन पीलू जैन सहित महा समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया जयपुर महामंत्री इन्द्र गांधी सहित सभी प्रमुख जनो ने श्री फल भेंट कर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्रीसुधा सागर जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित बरोदिया प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारल्लिय मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर सजंय के टी थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने सभी का पीत वस्त्र माला के साथ सम्मान किया। **तुम बहुत भाग्यशाली हो भगवान महान पुरुषो की कर्म भूमि मिली:** इस दौरान मुनि श्री ने कहा कि हर व्यक्ति किसी भी कार्यक्रम में आगे जाना चाहता है जो विशेष मेहमान आए हैं उनके निकट का व्यक्तित्व है ऐसे ही ऐसी भूमि पर आप भाग्यशाली हैं कि आपका जन्म आर्य खण्ड के भारत में हुआ नहीं तो आपको कमेटी बाहर निकल देती ऐसे ही कर्म चाहत तो आप को गर्भ में ही मरण करा देता इस पावन भूमि पर जन्म ही नहीं होता आप अपने आप को बहुत कोसते हैं मुझे क्या मिला अरे तुम बहुत भाग्यवान हो जो ऐसी माटी में जन्मे जो भगवान का जन्म हुआ वे इसी भूमि पर बाल क्रीड़ा नारायण श्रीकृष्ण ने बाल लीला कहा कि इसी भूमि पर मेरा जन्म हुआ ये मेरा भाग्य है इस पावन अवसर को सौभाग्य में बदलने का पुरूषार्थ करना है।

### अगवानी पुस्तक का हुआ विमोचन

इस दौरान बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भ इया ने कहा कि आज हम परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के अशोक नगर आगमन पर हुई ऐतिहासिक अगवानी को डा सुरेन्द्र भारती ने पुस्तक का रुप दिया है इसका विमोचन जैन पंचायत कमेटी के साथ सभी प्रमुख जनो दारा किया जा रहा है इस कृति के आने से नगर का नाम इतिहास में दर्ज हो गया इस दौरान मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि हम सब नगर वासियों के साथ मिलकर हर कार्य को अपने पूरे मन से कर रहे इसी लिए ये उपलब्धियां ऐतिहासिक वन रहीं हैं।

### जव मैंने आचार्य श्री को पहली बार आहार दिया वो त्याग आज तक चल रहा है

उन्होंने कहा कि मुझे याद आ गया वो पल जव आचार्य श्री को आहार देने अभाना का दृश्य आचार्य श्री के करकमलों में ग्रास रखा आठ दिन के त्याग में तीन चार ग्रास लिए आचार्य ने क्या देखा उनकी दृष्टि में क्या चमत्कार मेरे समान बह दृश्य आज तक मेरी आंखों में झलक रहा है आठ दिन से आगे नियम लिया ही हर समय आनंद उमड़ता मन आनंद से भरा रहता इस समय इस पंचम काल में मुनि पद में जो आनंद है उसका कहना ही क्या चतुर्थ काल जंगलों में मुनि महाराज को शेर खा जायें तो पता नहीं आज तो संत शाला में मछर भी नहीं आ सकता कमेटी ने जालियां लगा रखी है आज संयम लेने का सबसे अच्छा मौका है सारी सुविधाएं।

### विवाह में भी चमत्कार हो सकता है

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में विवाह को एक बहुत ऊंचा स्थान दिया जो तुमने संबंध वनाया है वह कैसा है देश विरूद्ध तो नहीं है भारत के सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने यूनानी सैल्यूकंस की बेटी हेलेना से विवाह कर संस्कृति का नाश होने लगा और आगे चलकर मौर्य वंश का राज्य चला गया इसलिए संबंध बनाते समय सभी चीजें देखी जाती है यदि आप ने सब कुछ देख कर संबंध वनाया है जो आपको ये परम्परा मिलीं है इसको आगे हमेशा बनाये रखना जाओ आगे तुम्हारे लिए जन्म जन्म तक उच्च कुल मिलेगा ये फैसला आप ले मैं अपने देश में अपनी समाज अपने रिश्तेदारों के बीच ही संबंध करूंगा।

# विश्व शांति के लिए की गई शांति धारा एवं शांति विधान मंडल पूजन का किया आयोजन

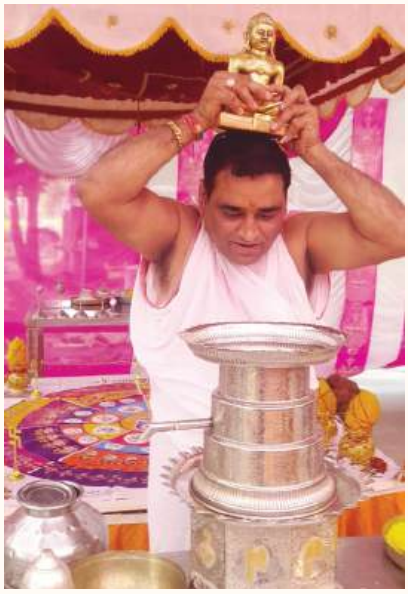

**गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया।** विश्व शांति के लिए की गई शांति धारा एवं शांति विधान मंडल पूजन का किया आयोजन। अष्ट द्रव्य चढ़ाकर जिनेंद्र भगवान की पूजन की। दशलक्षण महापर्व की समाप्ति के अवसर पर यहां दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में संगीत मय शांति विधान महा मंडल पूजन का आयोजन धर्म श्रेष्टि परिवार बाबूलाल मुकेश कुमार डॉ मनोज जैन बामनवास वाले की ओर से किया गया। जैन विद्वान पंडित मुकेश जैन मधुर के निर्देशन में हुए इस विधान मंडल पूजन में श्री महावीर जी सेआई संगीत पार्टी ने अपने सुंदर भजनों की प्रस्तुति से माहौल को धर्म मय बना दिया । इस अवसर पर जिनेन्द्र भगवान के समक्ष जल चंदन अक्षत धूप दीप नैवैध फल आदि चढ़ाकर देव शास्त्र गुरु, भगवान महावीर स्वामी एवं भगवान शांतिनाथ स्वामी कि पूजा भक्ति भाव की साथ की गई दौरान भक्तों द्वारा जिनेंद्र भगवान के समक्ष भक्ति नृत्य करते हुए भाव प्रकट किया। कार्यक्रम के प्रारंभ डॉ मनोज जैन अपने मस्तक पर जिनेन्द्र भगवान को विराजमान कर मंदिर जी से पंडाल में लेकर आए । रिद्धि सिद्धि मंत्र एवं बीजाक्षरो के उच्चारण के साथ भगवान के मस्तक पर विश्व शांति की कामना को लेकर बृहद शांति द्वारा की गई। इस अवसर पर डॉक्टर मनोज जैन को उनके 50 वें जन्म दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन समाज एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की ओर से माला साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया गया व बधाइयां दी। कार्यक्रम के दौरान बाबूलाल विनोद देवी डा. सुलेखा जैन मुकेश कुमार अंजना देवी जैन धर्मेश जैन बबिता जैन कुलदीप जैन विवेक डॉक्टर सम्यक सौम्या जैन मोहित नमन विमला देवी मीना देवी कीर्ति महक रौनक उषा सेठी प्रवीण जैन गंगवाल केके जैन विमल जैन सुमेर जैन नरेंद्र जैन नृपत्या अशोक पांड्या जगदीश जैन अभिनंदन जैन मंगल जैन राकेश जैन महेश जैन रमेश जैन सहित बड़ी संख्या में जैन बंधु उपस्थित रहे।

# विनम्रता और आत्मबल से ही बनता है महावीरत्व : महासती विद्याश्री

**भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया**

धन साधन है, पर साध्य नहीं। विनय और आत्मबल ही वह दिव्य पूंजी हैं, जो मनुष्य को साधारण से असाधारण और इंसान से महावीर बना देती हैं। शांति भवन मे चातुर्मास की धर्मसभा में महासती विद्याश्री ने श्रोताओं को संबोधित करतें हुए कहा कि धनवान व्यक्ति का वैभव क्षणिक है, पर विनयवान व्यक्ति का प्रभाव चिरस्थायी है। अहंकार मनुष्य को तोड़ता है, जबकि विनय जोड़ता है और समाज के हृदय पर अमिट छाप छोड़ जाता है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी पद और संपत्ति की अंधी दौड़ में उलझ गई है, परंतु यह सब नश्वर है। यदि विनम्रता और संस्कार खो गए, तो कोई वैभव जीवन को ऊँचाई नहीं दे सकता। सच्चा धन वही है, जो अहंकार घटाए और विनम्रता को बढ़ाए। साध्वी जयश्री ने कहा कि शिक्षा,आधुनिकता और वैभव की चाह गलत नहीं है, परंतु यदि इन सबके साथ आत्मबल और विनय का संगम न हो तो जीवन का संतुलन टूट जाता है। उन्होंने कहा कि विनय से आदर मिलता है और आत्मबल से विजय। दोनों को साध लिया तो जीवन में हार की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। इस दौरान उपप्रवर्तिनी विजय प्रभा से बड़ी संख्या मे श्रावक-श्राविकाओं ने तपस्याओं के प्रत्याख्यान लिए। सभी तपस्वियों और अतिथियों का शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बम्ब, अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़, मंत्री नवरतनमल भलावत तथा चातुर्मास समिति के संयोजक कंवरलाल सूरिया, महावीर युवक मंडल और शांतिजैन महिला मंडल ने सम्मान और स्वागत किया। -**प्रवक्ता निलिष्का जैन**

# पर्यूषण महापर्व में बंगाल, झारखण्ड, उडिसा में हुई धर्म प्रभावना

## प्रतिभा सम्मान, क्षमावाणी, शोभायात्रा के साथ हुआ महपर्व का समापन

**सागर/-** परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से पश्चिम बंगाल, झारखंड, उड़ीसा के सराक क्षेत्र में आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी,आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी, आर्यिका श्री आर्ष मति माताजी, आर्यिका श्री सुज्ञान मति माताजी के आशीर्वाद से ब्र. मंजुला दीदी, ब्र. मनीष भैया के निर्देशन में भारतवर्षीय जैन सराक ट्रस्ट के तत्वावधान में बुन्देलखण्ड से आये विद्वानों द्वारा पर्यूषण पर्व में धर्म प्रभावना की। बंगाल झारखंड उड़ीसा के 50 गांव में पर्यषण महापर्व के अवसर पर विद्वानों द्वारा नित्य नियम पूजन, क्लास, आरती, प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों, धार्मिक प्रतियोगिता के माध्यम से प्रभावना की कार्यक्रमों को गूगल मीट के माध्यम से देश के विशिष्ट व्यक्तित्व को जोड़कर कार्यक्रमों को और भी रोचक बनाया। आचार्य ज्ञानसागर और उनका सराक क्षेत्र पर 10 दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, दिगंबर जैन महा समिति राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन दिल्ली, भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमलेन्द्र जैन सागर, क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया, राष्ट्रीय संयोजक इंजीनियर महेश जैन एसडीओ, सहायक पोस्ट मास्टर जनरल मध्य प्रदेश परिमंडल चंद्रेश जैन शास्त्री भोपाल, वर्णी संस्थान विकास सभा के महामंत्री कैलाश जैन टीला ने जोड़कर अपने विचार रखें।आमंत्रित विद्वानों में विद्वत श्री पंडित जयकुमार दुर्ग, राजकुमार शास्त्री कर्द, डां कल्पना जैन नोएडा, कैलाश शास्त्री जयपुर, मुन्नालाल जैन शास्त्री सागर, विदुषी राखी जैन दुर्ग,पं.आयुष जैन पं. अतुल जैन, पं. अरिहंत जैन पं.आदर्श जैन पं. प्रियांशु जैन पं.दीपांश जैनपं. सौरभ जैन पं. प्रकर्ष जैन उपस्थित रहें । पर्युषण महापर्व के समापन पर सभी स्थानों पर शोभायात्रा मिष्ठान वितरण रखा गया। वर्णी संस्थान विकास सभा सागर के तत्वावधान में क्षमा वाणी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा गया,जिसमें सौ छात्र-छात्राओं का, पाठशाला शिक्षक और मंदिर कार्यकर्ता का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने अपने विचार व्यक्त कियें। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पं. मनीष विद्यार्थी ने बताया कि शीतकालीन, ग्रीष्मकालीन शिक्षण शिविरों के बाद पर्यूषण महापर्व में सराक क्षेत्र में धर्म प्रभावना हुई,लोगों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम निर्देशन ब्र. मंजुला दीदी,ब्र. मनीष भैया ने कहा कि पर्युषण महापर्व के दस धर्मों के साथ अपने जीवन को मोक्ष मार्ग की ओर प्रशस्त करने का अवसर सभी को मिला और सभी ने इस अवसर का लाभ लिया, निश्चित ही वह अपने जीवन को मोक्ष मार्ग की ओर प्रशस्त करेंगे। कार्यक्रम समापन में ऑनलाइन के माध्यम से आचार्य श्री ज्ञेय सागर जी महाराज ने सभी को अपना मंगल आशीष प्रदान किया एवं सराकोध्दारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के इस कार्य को प्रगति देने का कार्य करना हमारा अपने गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा का प्रतीक है। आर्यिका श्री सुज्ञानमती माताजी ने आशीष वचन में कहा कि सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा से सराक क्षेत्र में से विगत वर्षों से चल रहीं गतिविधियों से धर्म की प्रभावना हो रही है और यह सभी का सहयोग है और सभी का पुण्य है जो आप सभी अच्छे कार्य में जोड़कर स्वयं का समाज का कल्याण कर रहे हैं, मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज ने आशीष वचन में कहां की अगर हमें ज्ञान प्राप्त करना है तो हमें कुछ सीखना और जानना होगा। इसके लिए कम समय में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने समय का सदुपयोग करना चाहिए। स्थानीय सराक समिति के गयाराम जैन, पुटुक जैन सराक, डॉ प्रदीप जैन, सुधांशु जैन, गौरांग जैन रामदुलार जैन शक्तिपथ जैन संजय जैन सराक आदि।

**प्रेषक मनीष जैन विद्यार्थी सागर**

# जो देश के लिए वफादार नहीं वो धर्म के प्रति वफादार नहीं : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

दानिश कुंज में आज गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि - हमें प्रवृत्ति वाला धर्म नहीं, बल्कि प्रकृति वाला धर्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोग प्रतिदिन मंदिर जाकर घंटा बजाते हैं, दर्शन करते हैं, पूजा-पाठ और अभिषेक करते हैं, लेकिन यह सब भाव शुद्धि के बिना होता है। उन्होंने कहा कि - आपको प्रभु पर श्रद्धा नहीं होती । आपको प्रतिमा में आदमी दिखाई देता है। प्रतिमा पर लिखी प्रशस्ति को पढ़कर आप कहते हो यह फलां की प्रतिमा है , यह बेदी फलां ने बनवाई है। जबकि आपकी दृष्टि निर्मल होनी चाहिए। माता श्री ने कहा कि बरसों से मंदिर जाते हो, साधना करते हो, किंतु दृष्टि का दोष मिटा नहीं। बाहर के जगत में तो तुम धर्मात्मा हो किंतु अंतरंग से तुम वैसे नहीं हो। तुम्हारा धर्म दयामयी होना चाहिए । व्यक्ति के विकास में कान की बड़ी भूमिका है । साधु का प्रवचन आपके अंदर 5 मिनट भी नहीं टिकता। साधु के प्रवचन भी आपकी सोच पर लंबे समय तक असर नहीं डालते। उन्होंने कहा कि हर दिन का जीवन पर्युषण पर्व होना चाहिए । माताजी कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने देश के लिए वफादार नहीं है वो अपने धर्म के प्रति भी वफादार नहीं हो सकता। माताजी के सानिध्य में धर्म गंगा निरन्तर बह रही है ।

# गुण ही बनाते हैं पहचान, नाम और पद नहीं : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

नाम, पद और प्रतिष्ठा केवल पहचान के साधन हैं, इन्हें जीवन का सार मत बना लो। परमात्मा ने हमें बाहरी नहीं, गुणात्मक परिचय दिया है और वही हमें प्रभु के समीप ले जाने का मार्ग दिखाता है।यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शुक्रवार को जैन स्थानक में पूच्छिस्सुणं संपुट के 13वें श्लोक का विवेचन करते हुए धर्मसभा में व्यक्त किए। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि प्रभु जैसे बने, वैसे बनने का प्रयास हर साधक का लक्ष्य होना चाहिए। बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, वैसे ही छोटी-छोटी साधनाएँ भी हमें परमात्मा के समकक्ष पहुँचा सकती हैं। रस्सी और पत्थर का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया—जब रस्सी के बार-बार रगड़ने से पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं, तो निरंतर साधना से हमारी चेतना क्यों नहीं जाग सकती? मेरु पर्वत का उल्लेख करते हुए युवाचार्य प्रवर ने कहा जैसे मेरु पर्वत दसों दिशाओं का निर्धारण करता है, वैसे ही हमारे जीवन और धर्म का केन्द्र प्रभु महावीर हैं। यदि साधना का केन्द्र प्रभु होंगे तो सफलता निश्चित है, अन्यथा साधना अधूरी रह जाएगी। उन्होंने कहा जैसे शरीर का नाभिक तंत्र पूरे शरीर को नियंत्रित करता है, वैसे ही धर्मसंघ का केन्द्र महावीर हैं। वे नगेंद्र की तरह अचल और अटल हैं। चाहे कितनी भी आंधियाँ चलीं, उनकी साधना कभी नहीं डगमगाई। युवाचार्यश्री ने गोशालक और भगवान महावीर का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि गोशालक ने आक्षेप लगाया-महावीर अब भीड़ में हैं, उनका एकांत खो गया। इस पर आर्द्रक मुनि ने प्रत्युत्तर दिया-प्रभु बाहर से चाहे भीड़ में हों, पर भीतर से वे पूर्ण एकांत और स्थिर साधक हैं। उनका ध्यान वैसा ही है जैसे पानी से भरा घड़ा सिर पर लेकर चलने वाली स्त्री- बाहरी हलचल के बावजूद उसका ध्यान घड़े पर रहता है।

# नचिकेतन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में नचिकेतन पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। खेल प्रतियोगिता का आयोजन ठक्कर-5 राजकीय विद्यालय, फरीदाबाद में किया गया, जिसमें विद्यालय के शारीरिक शिक्षकों नरेश कुमार, सोनू, राम व सोनू देवी के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने भाग लिया। अण्डर-14 आयु वर्ग की आर्चरी (रिकर्व) प्रतियोगिता में सहजप्रीत ने व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक तथा टीम गेम में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इसी आयु वर्ग में पवितर सिंह ने व्यक्तिगत वर्ग में रजत पदक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। सहजप्रीत ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से रांची में होने वाली राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सूचित कर अपने माता-पिता, शहर और विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय पहुँचने पर विजेता खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु ने खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थियों ने सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम, लगन और अनुशासन से हर मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी हमारे खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराएँगे। विद्यालय चेयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबील दास सुथार ने भी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस मौके पर विद्यालय निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, ऐडमिनिस्ट्रेटर अशोक कुमार मोहराना, प्राचार्य सत्यनारायण पारीक, प्रबंधन समिति के सदस्य परमिन्द्र सिंह सिद्धु, कपिल सुथार, विद्यालय प्रैस प्रवक्ता गुरसेवक सिंह, अध्यापकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहे और विजेता खिलाड़ियों सहित शारीरिक शिक्षकों सोनू, नरेश कुमार, राम व सोनू देवी का आभार व्यक्त किया।

# जेसीआई शाहिबाग का सिल्वर जुबली वर्ष ''एक शाम 25 साल के नाम'' स्नेहमिलन समारोह सम्पन्न

**अहमदाबाद. शाबाश इंडिया।** जेसीआई शाहिबाग के सिल्वर जुबली वर्ष के अवसर पर ''एक शाम 25 साल के नाम'' स्नेहमिलन समारोह का आयोजन शाहीबाग स्थित आर.के. बैंक्वेट हॉल में किया गया जो सभी पूर्व अध्यक्ष व सदस्यों की उपस्थिति से उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। संस्था के पूर्व अध्यक्ष मुकेश आर. चौपड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ जेसीआई गान से हुआ, जिसे विमल बागरेचा ने प्रस्तुत किया। मंच पर जेसीआई अध्यक्ष आकाश मेहता, संस्थापक अध्यक्ष अशोक बाफना, तात्कालिक पूर्व अध्यक्ष अल्केश बागरेचा, विशेष रूप से कार्यक्रम में बेंगलुरु से शामिल हुए पूर्व अध्यक्ष चंपालाल दांतेवाड़िया, कोषाध्यक्ष सुमित श्रीश्रीमाल एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष आकाश मेहता ने सभी का स्वागत करते हुए संस्था की 25 वर्षीय यात्रा का स्मरण कराया। उन्होंने संस्थापक एवं सभी पूर्व अध्यक्षों के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर स्मृति-चिन्ह देकर संस्थापक अध्यक्ष अशोक बाफना सहित पूर्व अध्यक्षगण—चंपालाल दांतेवाड़िया, जयंतीभाई बाफना, राजेश सालेचा, राणमल तातेड, दिनेश श्रीश्रीमाल, तपसी चोपड़ा, दिलीप गुलेच्छा, जितेन्द्र जीरावला, अरविन्द लुंकड़, मनीष मेहता, मुकेश चोपड़ा, अंकित बोहरा, नरेश हुंडिया तथा अल्केश बागरेचा—का विशेष सम्मान किया गया।